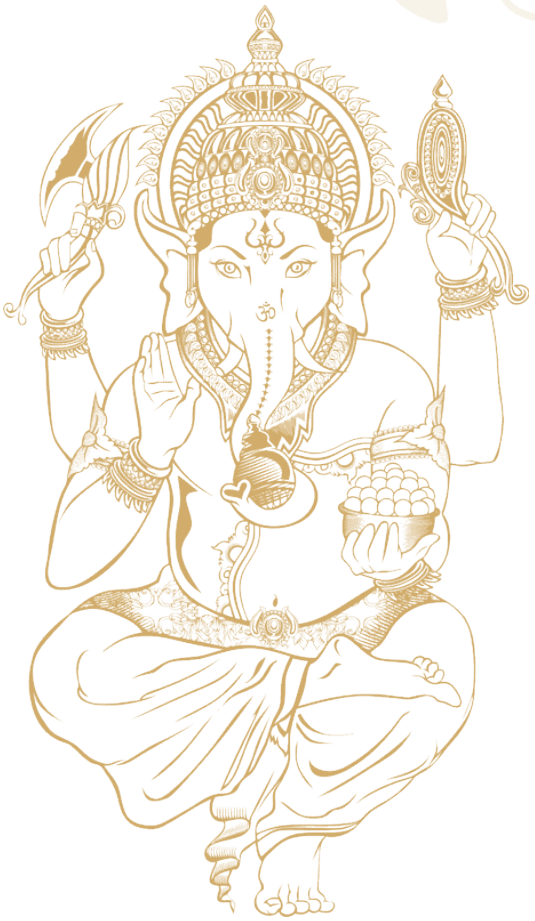

Mr.

17 Jan 2007

02:40 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120349104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16-17/01/2007**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**02:40:00 घंटे**
इष्ट	48:31:56 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:18:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:35 घंटे
साम्पातिक काल	10:02:33 घंटे
सूर्योदय	07:15:13 घंटे
सूर्यास्त	17:46:33 घंटे
दिनमान	10:31:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:24:00 मकर
लग्न के अंश	28:36:34 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	28:36:34	306:50:02	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मक	02:24:00	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	03:27:31	13:17:38	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
मंगल			धनु	06:03:05	00:44:04	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	मक	08:33:24	01:41:30	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	17:22:08	00:11:16	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मक	21:58:52	01:15:00	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	29:35:42	00:04:03	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	23:28:08	00:09:22	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	23:28:08	00:09:22	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	18:12:05	00:02:38	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
नेप			मक	24:41:38	00:02:09	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	03:37:44	00:02:01	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
दशम भाव			सिंह	04:31:43	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:24

लग्न-चलित

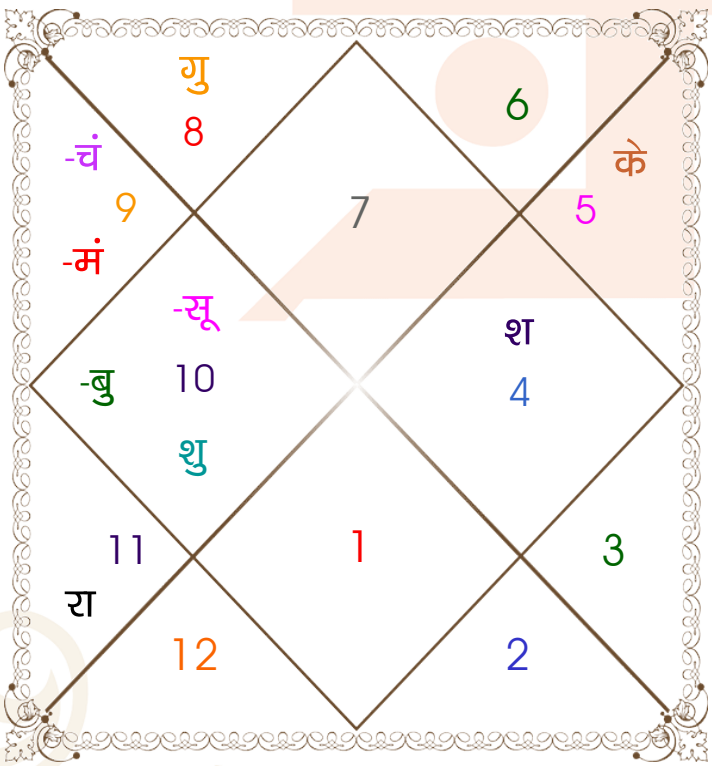

चन्द्र कुंडली

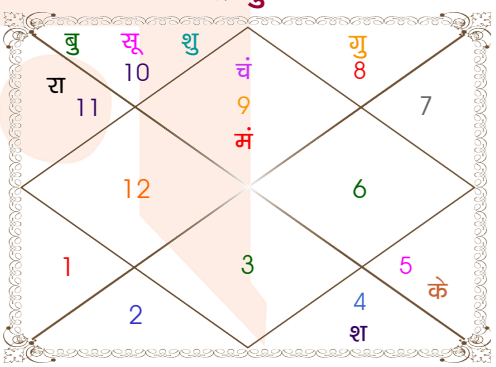

नवमांश कुंडली

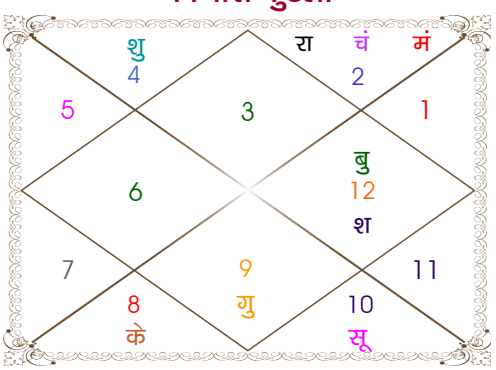

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 2 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/01/2007		24/03/2012		24/03/2032		25/03/2038		24/03/2048	
24/03/2012		24/03/2032		25/03/2038		24/03/2048		25/03/2055	
	00/00/0000	शुक्र	25/07/2015	सूर्य	12/07/2032	चंद्र	23/01/2039	मंगल	20/08/2048
	17/01/2007	सूर्य	24/07/2016	चंद्र	10/01/2033	मंगल	24/08/2039	राहु	08/09/2049
सूर्य	26/02/2007	चंद्र	25/03/2018	मंगल	18/05/2033	राहु	22/02/2041	गुरु	15/08/2050
चंद्र	27/09/2007	मंगल	25/05/2019	राहु	12/04/2034	गुरु	24/06/2042	शनि	24/09/2051
मंगल	23/02/2008	राहु	25/05/2022	गुरु	29/01/2035	शनि	23/01/2044	बुध	20/09/2052
राहु	12/03/2009	गुरु	23/01/2025	शनि	11/01/2036	बुध	24/06/2045	केतु	16/02/2053
गुरु	16/02/2010	शनि	24/03/2028	बुध	17/11/2036	केतु	23/01/2046	शुक्र	18/04/2054
शनि	28/03/2011	बुध	23/01/2031	केतु	24/03/2037	शुक्र	24/09/2047	सूर्य	24/08/2054
बुध	24/03/2012	केतु	24/03/2032	शुक्र	25/03/2038	सूर्य	24/03/2048	चंद्र	25/03/2055

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/03/2055		24/03/2073		24/03/2089		25/03/2108		25/03/2125	
24/03/2073		24/03/2089		25/03/2108		25/03/2125		00/00/0000	
राहु	05/12/2057	गुरु	13/05/2075	शनि	27/03/2092	बुध	22/08/2110	केतु	22/08/2125
गुरु	30/04/2060	शनि	23/11/2077	बुध	05/12/2094	केतु	19/08/2111	शुक्र	22/10/2126
शनि	07/03/2063	बुध	29/02/2080	केतु	14/01/2096	शुक्र	19/06/2114	सूर्य	18/01/2127
बुध	23/09/2065	केतु	04/02/2081	शुक्र	16/03/2099	सूर्य	25/04/2115		00/00/0000
केतु	12/10/2066	शुक्र	06/10/2083	सूर्य	26/02/2100	चंद्र	24/09/2116		00/00/0000
शुक्र	11/10/2069	सूर्य	24/07/2084	चंद्र	27/09/2101	मंगल	21/09/2117		00/00/0000
सूर्य	05/09/2070	चंद्र	23/11/2085	मंगल	06/11/2102	राहु	09/04/2120		00/00/0000
चंद्र	06/03/2072	मंगल	30/10/2086	राहु	12/09/2105	गुरु	16/07/2122		00/00/0000
मंगल	24/03/2073	राहु	24/03/2089	गुरु	25/03/2108	शनि	25/03/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 1 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली हैं। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगे।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखते हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझते हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानते है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाते हों। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाता बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करते हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेते हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेते हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगे।

आप अपना परिवार जीवन सुखदपूर्ण व्यतीत करेंगे। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगे। आप निःसंदेह पूर्वक अपनी समझदार पत्नी एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगे। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकते है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगे। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती हैं। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगिनी का चुनाव कर सकते हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगे।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकते हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।